International Journal of Social Science and Humanities
www.humanitiesjournals.com
Online ISSN: 2664-8628 Print ISSN: 2664-861X
Received: 05-10-2025, Accepted: 04-11-2025, Published: 19-11-2025
Volume 7, Issue 6, 2025, Page No. 30-33

शिक्षण व्यवसाय में नैतिकता

डॉ. पारुल मलिक[1], सपना[2]
[1] शोध निर्देशिका, असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश, भारत
[2] शोधार्थी, शिक्षा विभाग, शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश, भारत

सारांश
नैतिकता आजकल सबसे चिंताजनक मुद्दा है। समाज भ्रष्ट होता जा रहा है और युवा पीढ़ी बिना सोच समझे अनैतिक कार्य करती जा रही है। समाज में बच्चों को नैतिक बनाने में हालांकि परिवार की अहम भूमिका होती है, लेकिन इस मुद्दे पर शिक्षा भी अहम भूमिका निभाती है और शिक्षा के द्वारा छात्रों तक इस नैतिकता को पहुंचाना शिक्षक का दायित्व होता है। एक शिक्षक नैतिक आचरण को प्रोत्साहित करके छात्र की नैतिकता को बढ़ा सकता है। इस शोध पत्र में इस बात पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास किया गया है कि नैतिकता क्या है और नैतिकता का शिक्षण व्यवसाय से क्या संबंध है और अंततः शिक्षकों के लिए एक आचार संहिता की सिफारिश की गई है।

मूलशब्द: नैतिकता, आचार संहिता, शिक्षक, शिक्षण व्यवसाय

परिचय

हाल के वर्षों में आम लोगों में नैतिक पहलुओं के बारे में जागरूकता बढ़ी है। जब कोई व्यवसाय खुद को व्यवसाय के रूप में संगठित करता है, तो एक आचार संहिता प्रकट होती है। शैक्षिक नैतिकता उन लोगों पर लागू होती है जो शिक्षा व्यवसाय के क्षेत्र में सक्रिय हैं। नैतिकता दर्शन शास्त्र की एक शाखा है जो अच्छे और बुरे के अध्ययन से संबंधित है। नैतिक व्यवहार मानव के एक सामाजिक प्राणी होने के कारण उसके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। क्योंकि शिक्षक को मानव समाज में भविष्य का निर्माता माना जाता है इसलिए एक शिक्षक का कार्य शिक्षा में मानवता की धारणा को शामिल करना होता है और नैतिकता उनमें से एक है। नैतिक अभिकरण और नैतिक ज्ञान के अनुसार, शिक्षण में नैतिकता, नैतिक संहिताओं का पालन और शिक्षक के व्यवहार एवं प्रासंगिक स्वभाव की एक औपचारिक धारणा है। नैतिकता को दृष्टिकोण, विचारों, शब्दों और कार्यों के माध्यम से मानवीय गुणों के तत्वों में से एक माना जाता है। यह अच्छे की अनुभूति और बुरे की पहचान है जिसे शिक्षक एक व्यावसायिक व्यक्ति और समूह के रूप में अपने दैनिक व्यवहार में लागू करते हैं। नैतिकता ईमानदारी और निष्पक्षता पर केंद्रित है जिसे शिक्षक वास्तव में शिक्षण व्यवसाय (नैतिक अभिकरण और नैतिक ज्ञान) में लागू करते हैं। एक शिक्षक को कक्षा में अपने नैतिक स्वभाव की समस्याओं और अनिश्चितताओं के साथ खुद को प्रासंगिक बनाना होता है। नैतिकता न केवल गंभीर और भ्रमित करने वाली स्थिति में, बल्कि उनके नियमित कक्षा समय में भी एक शिक्षक क्या कहता और करता है या क्या नहीं कहता और करता है, इसके निहितार्थों को दर्शाती है।

नैतिकता क्या है

नैतिकता, जिसे नैतिक दर्शन के रूप में भी जाना जाता है, दर्शन की एक शाखा है जिसमें सही और गलत आचरण की अवधारणाओं को व्यवस्थित करना, उनका पालन करना और उनकी अनुशंसा करना शामिल है। यह शब्द ग्रीक शब्द एथोस से आया है, जिसका अर्थ है "चरित्र"।

दर्शन शास्त्र के मूल्य शास्त्रीय क्षेत्र में नैतिकता, सौंदर्यशास्त्र का पूरक है। दर्शन शास्त्र में, नैतिकता मनुष्यों के नैतिक व्यवहार और उसे कैसे कार्य करना चाहिए, इसका अध्ययन करती है।

फाउंडेशन फॉर क्रिटिकल थिंकिंग के टॉमस पॉल और लिंडा एल्डर के अनुसार, "अधिकांश लोग नैतिकता को सामाजिक परंपराओं, धार्मिक मान्यताओं और कानून के अनुसार व्यवहार करने के साथ भ्रमित करते हैं", और नैतिकता को एक स्वतंत्र अवधारणा के रूप में नहीं देखते हैं।

पॉल और एल्डर नैतिकता को "अवधारणाओं और सिद्धांतों का एक समूह" के रूप में परिभाषित करते हैं जो हमें यह निर्धारित करने में मार्गदर्शन करते हैं कि कौन सा व्यवहार संवेदनशील प्राणियों के लिए लाभदायक है या हानिकारक। कैम्ब्रिज डिक्शनरी ऑफ फिलॉसफी में कहा गया है कि नैतिकता शब्द "आमतौर पर श्नैतिकताश के साथ एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जाता है... और कभी–कभी इसका प्रयोग किसी विशेष परंपरा, समूह या व्यक्ति के नैतिक सिद्धांतों के अर्थ में अधिक संकीर्ण रूप से किया जाता है।"

व्यावसायिक नैतिकता क्या है

दुनिया में मान्यता प्राप्त व्यवसायों में कार्यरत लोग विशिष्ट ज्ञान और कौशल का प्रयोग करते हैं। जनता को सेवा प्रदान करते समय इस ज्ञान के उपयोग को कैसे नियंत्रित किया जाना चाहिए, इसे एक नैतिक मुद्दा माना जा सकता है और इसे व्यावसायिक नैतिकता कहा जाता है। अपने व्यवसाय में विशेषज्ञ लोग विपरीत परिस्थितियों में निर्णय लेने और अपने कौशल का प्रयोग करने में सक्षम होते हैं जो आम जनता नहीं कर सकती, क्योंकि उन्हें पर्याप्त प्रशिक्षण प्राप्त नहीं होता है। व्यावसायिक नैतिकता किसी व्यावसायिक समुदाय द्वारा अपनाए गए मानकों का एक समूह है जो संबंधित समुदाय को नियंत्रित करते हैं, जिन्हें अक्सर आचार संहिता कहा जाता है। आचार संहिता बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें सीमाएँ प्रदान करती है जिनके भीतर हमें अपना कार्य करना होता है।

घटक

कई व्यावसायिक संगठन अपने नैतिक दृष्टिकोण को कई अलग–अलग घटकों के रूप में परिभाषित करते हैं। आमतौर पर इनमें शामिल हैं:

- ईमानदारी।
- निष्ठा।
- पारदर्शिता।
- जवाबदेही।
- गोपनीयता।

- निष्पक्षता।
- सम्मान।
- कानून का पालन।

एक व्यावसायिक नैतिकता पाठ्यक्रम का उद्देश्य अनैतिक छात्रों में नैतिकता बढ़ाने के लिए सद्गुणों का प्रसार करना नहीं है, बल्कि यह संबंधित नागरिकों को पहले नैतिक मुद्दों को पहचानने और फिर जिम्मेदारी से उनका सामना करने के लिए प्रेरित करने की क्षमता भी प्रदान करता है।

आचार संहिता और व्यावसायिक आचरण

आचार संहिता एक संगठन द्वारा अपने कर्मचारियों और प्रबंधन को जारी किए गए दिशा निर्देशों का एक लिखित समूह है ताकि उन्हें अपने प्राथमिक मूल्यों और नैतिक मानकों के अनुसार अपने कार्यों का संचालन करने में मदद मिल सके।
आचार संहिता को सिद्धांतों की एक मार्गदर्शिका के रूप में भी परिभाषित किया जा सकता है जो संबंधित कर्मचारियों को ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन की गई है। आचार संहिता व्यवसाय या संगठन के मिशन और मूल्यों, समस्याओं, संगठन के मूल मूल्यों पर आधारित नैतिक सिद्धांतों और उन मानकों को रेखांकित करती है जिनके लिए कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी।
आचार संहिता नैतिक मुद्दों पर ही किसी व्यवसाय को सहमति प्रदान करती है। आचार संहिता आम लोगों को व्यवसाय के नैतिक मानदंडों और मूल्यों के बारे में शिक्षित करती है। आचार संहिता को कर्मचारियों के बीच एक परंपरा के रूप में माना जाना चाहिए। डेविस (1991) ने कहा कि "एक पेशेवर के रूप में, मैं नैतिक रूप से व्यावसायिक चिंताओं को पेशेवर नैतिकता से आगे नहीं रख सकता।"
हैरिस (1995) ने अपने विश्लेषण में संक्षेप में कहा कि आचार संहिता सबसे पहले सदस्यों द्वारा अपनी ज़िम्मेदारी के लिए सामूहिक मान्यता प्रदान करती है। दूसरा, यह ऐसा वातावरण बनाने में मदद करती है जहाँ नैतिक व्यवहार एक आदर्श हो। तीसरा, यह कई स्थितियों में एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य कर सकती है। चौथा, आचार संहिता को विकसित करने और संशोधित करने की प्रक्रिया व्यवसाय में मदद करती है। पाँचवाँ, यह कक्षाओं और बैठकों में ध्यान केंद्रित करने के लिए एक शैक्षिक उपकरण के रूप में कार्य करती है। अंत में, यह दूसरों को संकेत देती है कि व्यवसाय में जवाबदेही और आचरण कितने अधिक महत्वपूर्ण हैं।

नैतिकता और शिक्षण व्यवसाय

शिक्षकों का कार्य अपने व्यवसाय में मूल्यों को शामिल करता है और नैतिकता उनमें से एक है। बर्गर (1999) ने अपने भाषण में चर्चा की कि शिक्षा के तीन लक्ष्य हैं:

1. मूल्य प्राप्त करना
2. ज्ञान प्राप्त करना और
3. कौशल प्राप्त करना

एक शिक्षक का कर्तव्य है कि वह हमारे बच्चों के मूल्यों और नैतिकता पर काम करे। छात्र शिक्षकों के दैनिक जीवन के उदाहरणों से मूल्यों के बारे में सीख सकते हैं – चाहे वे परिसर में हों या निजी जीवन में। जॉन (2004) ने शिक्षण के दो प्रासंगिक पहलुओं को वर्गीकृत किया:

1. शिक्षण में नैतिकता और
2. शैक्षणिक प्रतिबद्धता से निपटना।

जॉन कहते हैं कि एक शिक्षक को नैतिकता और शिक्षण में नैतिकता के बारे में पता होना चाहिए :

1. आचार संहिता और नैतिक मानदंड
2. शिक्षक–छात्र संबंधों को समझना
3. शिक्षक–छात्र संबंधों में तनाव
4. शैक्षणिक मुद्दे

नैतिक शिक्षण के बारे में जानकारी का एक मूल्यवान स्रोत "न्यू डायरेक्शन्स फॉर टीचिंग एंड लर्निंग" का एक अंक है। संपादक ने पत्रिका का एक विशेष संस्करण प्रकाशित किया, जिसका शीर्षक था —

"विद्यालय शिक्षण के नैतिक आयाम: शिक्षकों और छात्रों के बीच विशेष संबंधों को समझना और उनका सम्मान करना।"
इसमें कई लेखकों ने नैतिक शिक्षण कौशल को विकसित करने के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक दिशा निर्देश प्रदान किए। लेखकों की कुछ सिफारिशें नीचे दी गई हैं।

शिक्षण को नियंत्रित करने के चार मानदंड

1. **ईमानदारी**
2. **वादा निभाना:** वादा निभाने के लिए प्रशिक्षक को सेमेस्टर की शुरुआत में किए गए "वादों" को पूरा करना आवश्यक है। पाठ्यक्रम, असाइनमेंट, ग्रेडिंग सिद्धांत, और कक्षा व कार्यालय समय–सारिणी में छात्रों से किए गए वादे शामिल होते हैं।

3. **व्यक्तियों के प्रति सम्मान:** शिक्षकों को छात्रों के बीच आपसी सम्मान को प्रोत्साहित करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षकों को पारस्परिक बातचीत के दौरान और छात्रों की मार्गदर्शन और प्रतिक्रिया की आवश्यकता पर तुरंत प्रतिक्रिया देते समय छात्रों के प्रति सम्मान और सामान्य शिष्टाचार दिखाना चाहिए।

4. **निष्पक्षता:** ग्रेडिंग में निहित व्यक्तिपरकता को समझते हुए, प्रशिक्षकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी ग्रेडिंग पद्धतियाँ स्पष्ट मानदंड बनाकर और उनका पालन करके यथासंभव वस्तुनिष्ठ हों।

विद्यालयी नैतिक शिक्षण के सिद्धांत

1. **विषय वस्तु दक्षता:** एक शिक्षक अपनी विषय–वस्तु का उच्च स्तर का ज्ञान बनाए रखता है और यह सुनिश्चित करता है कि पाठ्यक्रम की विषय–वस्तु समसामयिक, सटीक, प्रतिनिधिक और छात्र के अध्ययन कार्यक्रम में स्थिति के अनुरूप हो।

2. **शैक्षणिक दक्षता:** एक शैक्षणिक रूप से सक्षम शिक्षक छात्रों को पाठ्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराता है, वैकल्पिक शिक्षण विधियों या रणनीतियों से अवगत होता है, और शिक्षण की ऐसी विधियों का चयन करता है जो छात्रों को पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को प्राप्त करने में प्रभावी रूप से मदद करती हैं।

3. **संवेदनशील विषयों से निपटना:** जिन विषयों को छात्र संवेदनशील या सहज पाते हैं, उनसे खुले, ईमानदार और सकारात्मक तरीके से निपटा जाता है।

4. **छात्रों का संपूर्ण विकास:** शिक्षक की सर्वोच्च ज़िम्मेदारी छात्र के बौद्धिक विकास में योगदान देना है। शिक्षक को छात्रों के

कमजोर पक्ष को पहचान कर उसको मजबूत बनाने में छात्र की सहायता करनी चाहिए। शिक्षक को शोषण और भेदभाव जैसी गतिविधियों से बचना चाहिए जो छात्र विकास में बाधा डालती हैं।

5. **छात्रों के साथ दोहरे संबंध:** हितों के टकराव से बचने के लिए, शिक्षक छात्रों के साथ ऐसे दोहरे–भूमिका वाले संबंध नहीं बनाने चाहिए जो छात्र के संपूर्ण विकास में बाधा डालते हों और शिक्षक की ओर से वास्तविक या कथित पक्षपात को जन्म देते हों।

6. **गोपनीयत:** छात्र के ग्रेड, उपस्थिति रिकॉर्ड और निजी संचार को गोपनीय सामग्री माना जाता है और इन्हें केवल छात्र की सहमति से वैध शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए, या यदि यह मानने के उचित आधार हों कि ऐसी जानकारी जारी करने से छात्र को लाभ होगा या दूसरों को नुकसान से बचाया जा सकेगा, तभी जारी किया जाना चाहिए।

7. **सहकर्मियों का सम्मान:** एक विद्यालय शिक्षक अपने सहकर्मियों की गरिमा का सम्मान करता है और छात्र विकास को बढ़ावा देने के लिए सहकर्मियों के साथ मिलकर काम करता है।

8. **छात्रों का वैध मूल्यांकन:** छात्रों के जीवन व करियर में छात्रों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के महत्व को देखते हुए प्रशिक्षकों की ज़िम्मेदारी है कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाएँ कि छात्रों का मूल्यांकन वैध, विश्वसनीय, निष्पक्ष और पाठ्यक्रम के उद्देश्यों के अनुरूप हो।

9. **संस्थान का सम्मान:** छात्र विकास के हित में, एक शिक्षक उस संस्थान के शैक्षिक लक्ष्यों, नीतियों और मानकों से अवगत होता है और उनका सम्मान करता है जिसमें वह पढ़ाता है।

शिक्षण में नैतिकता का महत्व

शिक्षकों के लिए आचार संहिता छात्रों, सभी छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए बनाई गई है। यह महत्वपूर्ण है कि शिक्षक यह समझें कि जब उन्हें कोई शिक्षण पद मिलता है तो वे आचार संहिता का पालन करने के लिए सहमत होते हैं।

शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने सभी छात्रों के प्रति निष्पक्ष रहें और किसी भी तरह से अपने पद का दुरुपयोग न करें। उदाहरण के लिए, शिक्षक छात्रों से महंगे उपहार स्वीकार नहीं कर सकते क्योंकि यह पक्षपातपूर्ण लग सकता है। शिक्षक अपने व्यक्तिगत विश्वासों को छात्रों पर नहीं थोप सकते क्योंकि वे एक "बंदी दर्शक" हैं। शिक्षकों को सभी छात्रों के साथ एक पेशेवर रिश्ता रखना चाहिए और इसे बहुत सहज और परिचित नहीं होने देना चाहिए। जाहिर है, स्कूल में काफी दुर्व्यवहार हो रहा है। शिक्षकों को अपने छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और यह नहीं सोचना चाहिए कि यह किसी और का काम है। मुख्य बात यह है कि छात्रों पर अपने पद के कारण शिक्षक को मिलने वाली शक्ति का दुरुपयोग न करें।

कैटानो और सिल्वा (2009) ने अपने शोध में बताया कि नैतिक आयाम हमारी शिक्षा प्रणाली में कितने महत्वपूर्ण हैं और इसके कई विधायी दस्तावेज भी हैं। यह छात्र और शिक्षक दोनों के संबंध में और साथ ही उनके पेशेवर प्रदर्शन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। नैतिक मुद्दे सामाजिक, आध्यात्मिक, नैतिक और नागरिक मूल्यों से जुड़े होते हैं और शिक्षक ही छात्रों को उनकी नैतिकता के विषय में सही दिशा दिखा सकता है।

नैतिक मुद्दे तब उत्पन्न होते हैं जब उचित कार्यवाही के बारे में निर्णय और अपेक्षाओं में मतभेद होते हैं। एक व्यक्ति विभिन्न समूहों के सदस्य के रूप में नैतिक निर्णय लेता है। जब किसी व्यक्ति को दुविधा का सामना करना पड़ता है, तो एक पेशेवर को तर्कसंगत और सुप्रेरित निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए और ऐसे में आचार संहिता व्यक्ति को ऐसी परिस्थितियों के लिए उपयुक्त उपकरण और विधियाँ प्रदान करके उसकी सहायता करती है।

जॉन क्लार्क (2004) ने अपने शोधपत्र में इस बात पर चर्चा की कि शिक्षकों के लिए नैतिकता केवल आचार संहिता से कहीं अधिक है, जो अनुशासनात्मक प्रक्रियाओं में प्रयुक्त सिद्धांतों और नियमों का समूह है। वर्तमान में शिक्षक, युवाओं को नैतिक शिक्षा प्रदान करने के लिए, उनको मानवचित्त गुणों की ओर प्रोत्साहित करने के लिए एवं उनमें व्यावसायिक नीतिबोध बढ़ाने के लिए सर्वाधिक उत्तरदायी हैं। शिक्षकों का यह कर्तव्य है कि वे अपनी गतिविधियों पर चिंतन करें ताकि नैतिक शिक्षा देने वालों के लिए सर्वोत्तम नैतिक उदाहरण प्रस्तुत किया जा सके।

एक शिक्षक को कक्षा के अंदर और बाहर, दोनों जगह विभिन्न भूमिकाएँ निभानी पड़ती हैं। शिक्षक छात्रों के नैतिक व्यवहार के उदाहरण स्थापित करके उनमें नैतिकता का विकास कर सकता है। नैतिकता और आचार–विचार अक्सर धर्म से जुड़े होते हैं, लेकिन स्कूल भी नैतिक सोच और कार्य में महत्वपूर्ण शिक्षा प्रदान कर सकते हैं।

डॉ. ब्रूस वाइनस्टीन, उर्फ़ द एथिक्स गाइ, कहते हैं, "एक बड़ा डर यह है कि स्कूल में नैतिकता पढ़ाने से छात्रों में किसी न किसी तरह एक खास धार्मिक दृष्टिकोण घर कर जाएगा। लेकिन नैतिकता तो सिखाई ही जानी चाहिए और स्कूल में सिखाई जा रही है। स्कूल में नैतिकता न सिखाना असंभव है।"

वाइनस्टीन, जो BusinessWeek.com के लिए एक साप्ताहिक कॉलम लिखते हैं और जिन्होंने हाल ही में

लोकप्रिय पुस्तक "क्या मैं पकड़ा नहीं जाऊँगा, तब भी धोखा दे रहा हूँ?" प्रकाशित की है, कहते हैं कि "अगर स्कूलों में आचार संहिता है, तो वे नैतिकता सिखा रहे हैं। छात्रों को इन मूल्यों और नैतिकता का उपदेश देने के लिए शिक्षकों का होना ज़रूरी है।" वाइनस्टीन के अनुसार, नैतिकता के पाँच बुनियादी सिद्धांत हैं, जो सभी धर्मों में समान हैं:

1. किसी को नुकसान न पहुँचाएँ
2. चीजों को बेहतर बनाएँ
3. दूसरों का सम्मान करें
4. निष्पक्ष रहें
5. प्रेमपूर्ण रहें।

इन मूल्यों को दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में अलग–अलग तरीके से परिभाषित किया जाता है, लेकिन ये विभिन्न संस्कृतियों से जुड़े हैं और सभी समूहों के लोगों से अपेक्षित हैं। वाइनस्टीन का कहना है कि इन्हें धार्मिक स्थलों से आगे बढ़ाया जाना चाहिए और घरों और कक्षाओं में भी पढ़ाया जाना अपेक्षित होना चाहिए।

शिक्षकों के लिए सुझाई गई आचार संहिता

- शिक्षक सभी छात्रों की शिक्षा और कल्याण को सर्वोच्च ज़िम्मेदारी बनाने का प्रयास करें, और प्रत्येक छात्र की विशिष्टता और गरिमा का सम्मान करें।
- छात्रों के परिवारों के साथ, जहाँ तक उचित हो, ऐसे संबंध बनाने का प्रयास करें जो छात्रों के कल्याण और शिक्षा में योगदान दें।
- सहकर्मियों के साथ संबंधों में आपसी सम्मान और विश्वास को बढ़ावा देने का प्रयास करें, पेशे में नए लोगों की

सहायता करें, और इस तरह से व्यवहार करें जिससे पेशे की प्रतिष्ठा बढ़े।

- शिक्षक अपने नियोक्ता, समुदाय और समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा करने का सर्वोत्तम प्रयास करें।

छात्रों के प्रति उत्तरदायित्व

- प्रत्येक छात्र को समान रूप से शिक्षा प्रदान करें।
- छात्रों की क्षमता को पहचानें।
- छात्रों को सीखने, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रोत्साहित करें।
- प्रत्येक छात्र के प्रति निष्पक्ष रहें, प्रत्येक छात्र को समान रूप से न्यायोचित ठहराएँ।
- अनुशासन, कानून और नीति से संबंधित समस्याओं का समाधान करें।

माता–पिता/अभिभावकों, परिवारों और समुदाय के प्रति ज़िम्मेदारियाँ:

- माता–पिता के साथ शिष्टाचार, आपसी विश्वास और खुले संवाद पर आधारित संबंध स्थापित करें।
- परिवार की निजता का सम्मान करें।
- छात्र के हितों के बारे में माता–पिता के साथ जानकारी साझा करें।
- प्रत्येक छात्र की पारिवारिक पृष्ठभूमि का सम्मान करें।
- सामुदायिक संबंधों में सक्रिय भूमिका निभाएँ।
- समाज के प्रति ईमानदार रहें।
- पेशेवर सेवा का मानक प्रदान करें।
- छात्रों में एक लोकतांत्रिक समाज के मूल्यों का विकास करें।

व्यावसायिक सहकर्मियों के प्रति प्रतिबद्धता

- संबंधित सहकर्मियों के साथ विश्वास, आपसी सम्मान और खुलेपन का माहौल बनाएँ।
- शैक्षणिक और व्यापक समुदाय के अनुरूप कार्य करें जिससे पेशे की प्रतिष्ठा बढ़े।
- कानून और नीति द्वारा आवश्यक न होने पर ही सहकर्मियों के बारे में गोपनीय जानकारी प्रकट करें।
- पेशे में नए लोगों की सहायता, समर्थन और प्रोत्साहन करें।
- सहकर्मियों के बारे में गलत बयान न दें।
- सहकर्मियों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता में हस्तक्षेप न करें जिससे व्यक्तिगत पेशेवर अखंडता का उल्लंघन हो सकता है।

नियोक्ताओं के प्रति उत्तरदायित्व

- योग्यता और दक्षताओं के बारे में बयान देते समय सत्यनिष्ठ रहें।
- संविदा संबंधी प्रतिबद्धताओं का पालन करें।
- संस्थागत नीतियों में सुधार को सकारात्मक रूप से बढ़ावा दें।
- छात्रों और परिवारों के सर्वोत्तम हित में काम करने वाले सभी
- एजेंटों और पेशेवरों के बीच सहयोग को बढ़ावा दें।
- उन कानूनों और नीतियों का पालन करें जो संगठनात्मक आचार संहिता के विपरीत न हों।
- अपने प्रभार में सभी समिति खातों का ईमानदारी से संचालन करें।
- अपने कार्य को करने के लिए आवश्यक मानसिक स्वास्थ्य, सहनशक्ति और सामाजिक विवेक बनाए रखें।

निष्कर्ष

शिक्षक की समाज के प्रति ज़िम्मेदारी होती है और हमारे समाज में शिक्षकों का सर्वत्र सम्मान किया जाता है। छात्र आमतौर पर अपने निजी जीवन में अपने पसंदीदा शिक्षक की तरह बनना चाहते हैं। इसलिए यदि शिक्षक अपने नैतिक व्यवहार से उदाहरण प्रस्तुत कर सकें, तो छात्रों के बीच नैतिक मुद्दों का प्रचार करना आसान होगा। और यदि युवा पीढ़ी नैतिक मुद्दों के प्रति जागरूक होगी, तो समग्र समाज और देश लाभान्वित होगा। इसलिए समाज के एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में शिक्षक को नैतिक होना चाहिए और उन्हें शिक्षक की आचार संहिता का पालन करना चाहिए तथा अपने विद्यार्थियों को अपना नैतिक व्यवहार दर्शाना चाहिए।

References

1. Ana Paula Caetano- Maria de Lurdes Silva, sisifo / educational sciences journal no. 8 jan/apr 09 issn 1646–6500
2. Davis M. Thinking like an engineer- The place of a Code of Ethics in the practice of a profession", Plulosophy and Public Affairs,1991:20(2):150–167.
3. Dr. L B, Burger, Speech delivered at Beginner teachers conference: Windhoek College of Education, 1999.
4. Gordana Dodig–Crnkovic, Department of Computer Science and Engineering, Mälardalen University Västerås, Sweden
5. Harris C E, Jr., Pritchard M S, Rabins M J, Engineering Ethics- Concepts anul Cases, Wadsworth Publishing, 1995.
6. John Clark, New Zealand Journal Of Teachers' Work, Volume 1, Issue 2, 80–84, 2
7. Moral agency and ethical knowledge- introduction to ethics in teaching pp- 9–22
8. WEB SITES :
9. https://www.boundless.com/marketing/social-responsibility-ethics-in-marketing/ethics-overview/definition-ethics/ Definition of Ethics.
10. http://en.wikipedia.org/wiki/Ethics Definition of ethics http://en.wikipedia.org/wiki/Professional_ethics Professional ethics
11. http://www.investopedia.com/terms/c/code-of-ethics.asp Code of Ethics
12. http://www.gradsch.psu.edu/facstaff/tethics.html Teaching ethics
13. http://www.education.com/magazine/article/cheating-ethics/Code of ethics for teachers
14. http://www.vbsd.us/policies/pdfs/3.1%20%20Ethical%20Standards%20for%20Teachers.pdf Code of ethics for teacher